एम. कॉम
प्रथम वर्ष

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि
(एम. कॉम)

एम. कॉम (F&T)
एम. कॉम (BP&CG)
एम. कॉम (MA&FS)
के लिए भी

प्रथम वर्ष
सत्रीय कार्य
2011-12

जुलाई 2011 तथा जनवरी 2012 प्रवेश सत्र के लिए

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110 068

वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.कॉम)

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य 2011-12

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीयकार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2011 और जनवरी 2012)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2011** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2012** है।
2. जो **जनवरी 2012** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2012** तक है।

यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 31 अक्टूबर तक यदि अवश्य जमा कर दें। आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे 30 अप्रैल तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

नोट : यदि आपको अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य देर से मिलते हैं तो आप सामग्री मिलने के बाद एक मास तक सत्रीय कार्य के उत्तर को जमा कर सकते हैं।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ.-01
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-01/टी.एम.ए./2011-12
खण्डों की संख्या	:	सभी खंड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विश्व व्यापार के प्रवृत्ति का उत्पाद सम्मिश्रण, क्षेत्रानुसार व्यापार और व्यापार की दिशा को दर्शाते हुए व्याख्या कीजिए। विकासशील देशों की समस्याओं का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(12, 8)

2. (क) विश्व अर्थव्यवस्था में पराराष्ट्रीय निगम (TNC) के उद्गमन के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
   (ख) पराराष्ट्रीय निगम (TNC) के मुद्दे तथा विवादों की व्याख्या कीजिए।

(10, 10)

3. (क) विवाचन तथा सुलह अधिनियम 1996 की मुख्य विशेषताओं का विवेचन कीजिए।
   (ख) उरूग्वे समझौता वार्ता की उपलब्धियों का व्यापार तथा पर्यावरण से संबंधित समझौते के संबंध में वर्णन कीजिए।

(10, 10)

4. निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिए :
   (क) निर्यात विक्रय अनुबंध तथा धरेलू विक्रय अनुबंध।
   (ख) नैतिक दुविधाओं को दूर करने के लिए उपयोगितावाद तथा औपचारिकतावाद।

(10, 10)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) राजनीतिक परिवेश
   (ख) भुगतान शेष का चालू खाता
   (ग) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार तथा वैश्वीकरण
   (घ) व्यावसायिक सेवाओं में भारतीय व्यापार

(4 × 5)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-02/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. एक भारतीय कम्पनी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में प्रवेश करना चाहती है। विदेश में कम्पनी एक दूसरी कम्पनी को मिलाना चाहती है। बताइए यहाँ प्रवेश का कौन सा तरीका अपनाया जायेगा और किन परिस्थितियों में यह उपयुक्त है।

(20)

2. कल्पना कीजिए कि आप एक कम्पनी के विपणन प्रभाग के मुखिया हैं जिसका विदेशों मे अच्छे व्यवसाय अवसर के बावजूद अस्तित्व नहीं है। कम्पनी के CEO ने आप से अनुरोध किया है कि आप अंतर्राष्ट्रीय विपणन वातावरण घटकों का अवलोकन करते हुए एक नोट बनाइए जिसमें विश्व स्तर पर उपलब्ध अवसर हों।

(20)

3. निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिए :
   (क) वर्गीकरण एवं सारणीयन
   (ख) वारंटी और गांरटी

(2 × 10)

3. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए :
   (क) प्रभावी बाजार खंडीकरण के आवश्यक तत्व
   (ख) निर्यात मूल्य निर्धारण

(2 × 10)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए :
   (क) "लाइसेंसिंग फ्रेनचाइसिंग से भिन्न नहीं है।"
   (ख) "बाजार के विभिन्न खण्ड एक ही उत्पाद की मांग करते हैं।"
   (ग) "सारणीयन डेटा विश्लेषण की एक पद्वति है।"
   (घ) "संविलयन और अधिग्रहण बाजार प्रवेश रणनीति नही है।"
   (ड.) "निर्यात बाजार में एजेन्ट के होने का कोई लाभ नहीं है।"

(5 × 4)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**भारत का विदेश व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-03/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क्षेत्रीय व्यवस्था की बढ़ती हुई लोकप्रियता, वैश्वीकरण, इलेक्ट्रॉनिक वाणिज्य तथा पर्यावरण पर प्रकाश डालते हुए विश्व व्यापार के महत्वपूर्ण विषयों का वर्णन कीजिए। इसके साथ ही वर्तमान में विश्व व्यापार की प्रवृत्तियों को संक्षिप्त रूप में रेखांकित कीजिए।

(10, 10)

2. क) विशेष आर्थिक क्षेत्र (एस.ई.जेड.) से आप क्या समझते हैं? इसकी प्रमुख विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

   ख) बाजार विकास सहायता के क्या उदेश्य हैं? बाजार विकास सहायता के विभिन्न घटकों का वर्णन कीजिए।

(10, 10)

3. भारत से निर्यातित रत्न तथा आभूषणों के संघटन का वर्णन कीजिए। विदेशी मुद्रा बढ़ाने में इसका क्या महत्व है और इसको किस प्रकार और बढ़ाया जा सकता है?

(10, 5, 5)

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   क) बी. पी. ओ. की सेवाएँ

   ख) भारत का सी. आई. एस. देशों के साथ व्यापार

(10, 10)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ कीजिए :

   क) भारत के निर्यात में धीरे – धीरे कृषि उत्पादों के स्थान पर निर्मित वस्तुओं पर जोर बढ़ता जा रहा है।

   ख) विशव व्यापार संगठन समझोते के आमुख में स्थायी विकास के उदेश्य की आवश्यकता का प्रत्यक्ष संदर्भ है।

   ग) भारत ने पिछले वर्षों में विदेशी निवेशकों के "मस्तिष्क में उच्च स्थान" बना लिया है।

   ध) संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का विशालतम व्यवसायिक साझेदार है।

(4 × 5)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ.-04
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	निर्यात - आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-04/टी.एम.ए./2011-12
खण्डों की संख्या	:	सभी खंड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क्या आप समझते हैं कि अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध शब्दावली निर्यातक और आयातक के समस्याओं को सुलझाने में मदद करता है? अपना तर्क दीजिए और विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय अनुबंध शब्दावलियों का वर्णन कीजिए। **(20)**

2. आयात माल की सीमा शुल्क निकासी का क्या उद्देश्य है? आयात माल के सीमा शुल्क निकासी के प्रक्रिया का वर्णन कीजिए। **(5, 15)**

3. (क) विभिन्न प्रकार के साख पत्रों का वर्णन कीजिए।

4. (ख) साख पत्र के अंतर्गत आयात वित्तीयन की प्रक्रिया का विवेचन कीजिए। **(10, 10)**

5. निम्नलिखित में अन्तर स्पष्ट कीजिए :
   (क) लाइनर जहाजी सेवा तथा ट्रैम्प जहाजी सेवा
   (ख) यात्रा चार्टर तथा समय चार्टर
   (10, 10)

6. निम्नलिखित पर संक्षेप में टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) निर्यात संवर्धन परिषदें
   (ख) स्टार निर्यात प्रतिष्ठान
   (ग) डाक द्वारा निर्यात माल की सीमा शुल्क निकासी
   (घ) पैकिंग ऋण
   (4 × 5)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**आई.बी.ओ.-05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**अन्तर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	:	**आई.बी.ओ.-05/टी.एम.ए./2011-12**
खण्डों की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. किसी संगठन के लॉजिस्टिक्स प्रबंधन से सम्बन्धित तीन प्रमुख अवधारणायें क्या है? उनकी संक्षिप्त रूप से व्याख्या करें और बतायें की उनमें से किसे आप सर्वोतम विधि मानते है और क्यों?

(20)

2. (क) विदेशी विनिमय के शुद्व अर्जक के रूप में भारतीय नौपरिवहन की भूमिका का वर्णन कीजिए।

   (ख) भारतीय नौपरिवहन उद्योग द्वारा सामना की जा रही बाह्यताओं का संक्षेप मे विवेचन कीजिए।

(20)

3. निम्नलिखित में अंतर बताइए :

   (क) पुनः ऑडर स्तर और पुनः ऑडर मात्रा

   (ख) जहाज मालिक का ग्रहणाधिकार और समुद्री ग्रहणाधिकार

   (ग) समुद्र यात्रा चार्टर या बेयरबोट चार्टर

   (ध) स्थल द्वारा माल का वाहन और रेल द्वारा माल का वाहन

(4 × 5)

4. निम्नलिखित पर लधु नोट लिखिएः

   (क) सूचना प्रौधौगिकी

   (ख) माल गोदाम

   (ग) लाइनर जहाज

   (ध) संयुक्त उद्यम

(4 × 5)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिएः

   (क) कोई फर्म अपनी अच्छी सेवाओं और सस्ते दाम पर वस्तु को उपलब्ध कराकर उपभोक्ता को आकर्षित कर सकता है।

   (ख) टैंक कंन्टेनर का प्रयोग शुष्क बलक कार्गो के लिये होता है।

   (ग) वाणिज्यि के रूप मे 'लदान बिल' एक परक्राम्य प्रपत्र है।

   (ध) समुद्रपार के कार्गो को केवल बड़े बंदरगाहों पर चढाया –उतारा जाता है।

(4 × 5)

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	आई.बी.ओ.-06
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	अन्तर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त
सत्रीय कार्य का कोड	:	आई.बी.ओ.-06/टी.एम.ए./2011-12
खण्डों की संख्या	:	सभी खंड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) स्थिर दर प्रणाली की चर्चा कीजिए। यह प्रणाली क्यों असफल हुई?
   (ख) एशियाई मुद्रा संकट का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

(12, 8)

2. (क) यूरो वाणिज्यिक पत्र की परिभाषा दीजिए। इसकी कार्यवाही का वर्णन कीजिए।
   (ख) क्रय शक्ति समता सिद्धांत क्या है? इस सिद्धांत के अंर्तगत विनिमय दर किस प्रकार निर्धारित की जाती है?

(10, 10)

3. आर्थिक एक्सपोजर क्या है? आर्थिक एक्सपोजर के प्रबंध की विभिन्न तकनीकों का वर्णन कीजिए।

(10, 10)

4. (क) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में उपयोग किये जाने वाले विभिन्न प्रलेखों का वर्णन कीजिए।
   (ख) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के तर्काधार की चर्चा कीजिए।

(10, 10)

5. निम्नलिखित पर टिप्पणी लिखिए :
   (क) केन्द्रीकृत बनाम विकेन्द्रित रोकड़ प्रबंध।
   (ख) राजनीतिक जोखिम को मापना।

(10, 10)